द्वारिका में रखा सुदामा ने पहला कदम भजन लिरिक्स

द्वारिका में रखा,
सुदामा ने पहला कदम,
उसी पल हो गई,
आँखें कान्हा की नम,
द्वारका में रखा,
सुदामा ने पहला कदम ।bd।

तर्ज – मेरे प्यार की उमर हो ।

कैसे दौड़े कन्हैया,
कुछ कहा नहीं जाए,
बिना मिले मेरे श्याम से,
अब रहा नहीं जाए,
कान्हा को देख,
सुदामा भी भूल गए ग़म,
उसी पल हो गई,
आँखें कान्हा की नम,
द्वारका में रखा,
सुदामा ने पहला कदम ।bd।

अपने हाथों से कान्हा,
छप्पन भोग खिलाये,
सब रानियाँ सेवा में,
मिलके चंवर डुलाये,
सेवा मैं जितनी करूँ,
आज उतनी है कम,
उसी पल हो गई,
आँखें कान्हा की नम,
द्वारका में रखा,
सुदामा ने पहला कदम ।bd।

भोला भाला सुदामा,
अपनी पोटली छुपाये,
अन्तर्यामी मेरे श्याम से,
वो छुप नहीं पाए,
मेरे रहते प्यारे सही,
तुमसे कितने अपने

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

उसी पल हो गई,
आँखें कान्हा की नम,
द्वारका में रखा,
सुदामा ने पहला कदम।bd।

ऐसा भव्य निराला प्रेम,
आँखें भर आये,
इससे आगे कुछ 'ललित',
से कहां नहीं जाए,
जग से न्यारा है ऐसा है,
ये प्रेम मिलन,
उसी पल हो गई,
आँखें कान्हा की नम,
द्वारका में रखा,
सुदामा ने पहला कदम।bd।

द्वारिका में रखा,
सुदामा ने पहला कदम,
उसी पल हो गई,
आँखें कान्हा की नम,
द्वारका में रखा,
सुदामा ने पहला कदम।bd।

Singer – Lalit Bhardwaj

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com